>

Title: Regarding religious conversion in Jharkhand.

श्री संजय सेठ (राँची) : अध्यक्ष जी, जुहार । मैं झारखंड में आदिवासी समुदाय के धर्मांतरण के मुद्दे पर अपना प्रश्न रखना चाहता हूं । मैं सभी धर्मों की इज्जत करता हूं । सर्वधर्म महान हैं । किन्तु वर्तमान समय में झारखंड के कई क्षेत्रों में धर्मांतरण बढ़ने और लोभ-लालच देने जैसे मामले सामने आए हैं । वहां चर्चों का प्रभाव तेजी से बढ़ा है । सिमडेगा जैसे छोटे से जिले में चौबीस से अधिक चर्च हैं । वहां 300 से भी अधिक चर्च सिर्फ सिमडेगा शहर में हैं । यह बताने के लिए पर्याप्त है कि झारखंड में किस कदर धर्मांतरण का प्रभाव बढ़ रहा है और मिशनरियों द्वारा भोले-भाले आदिवासियों को अपने चंगुल में फंसाया जा रहा है । ईसाई मिशनरियों की संस्था निर्मल ह्रदय के द्वारा बच्चों की खरीद-बिक्री का मामला काफी पहले ही सामने आया है । इसमें वर्ष 2018 में अचानक से एक बड़ा खुलासा हुआ है । सैकड़ों की संख्या में नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री का मामला सामने आया है । गोद लेने के नाम पर नवजात बच्चों की खरीद-बिक्री होती है । अविवाहित आदिवासी लड़कियों को मां बनाया जाता है । यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसमें ज्यादातर आदिवासी समुदाय से होती हैं ।

इन मामलों में मुकदमे भी हुए हैं, कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं, तत्कालीन भाजपा सरकार ने इसकी जांच के निर्देश भी दिए थे । परंतु नई सरकार के गठन के साथ ही यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया है । इतना ही नहीं धर्मांतरण और चर्च का बढ़ता प्रभाव आदिवासियों को कई रूपों में विखंडित कर रहा है । निर्मल ह्रदय संस्था का एक मामला सामने है । महोदय, मैं आपसे यह आग्रह करना चाहता हूं कि इसकी जांच की जाए और मामले का खुलासा किया जाए । अगर लॉकडाउन की बात करूं, तो पूरे देश में लोग सेवाभाव से काम कर रहे हैं ।**…**(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज़ ।

…(व्यवधान)

11.00 hrs

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं यह आग्रह करूंगा कि शून्य काल की जो लिस्ट है, उसमें से दो-तीन वक्ताओं के नाम मैं एक साथ बोल दूंगा, ताकि क्रम वाइज़ वक्ता तैयार रहें । कुछ वक्ता यहां पर हैं, कुछ वक्ता दर्शक दीर्घा में हैं, कुछ राज्य सभा में हैं, वे वक्ता तैयार रहें ।

अब श्री रवि किशन जी बोलेंगे । उनके बाद भानु प्रताप सिंह वर्मा और उनके बाद श्रीमती सुप्रिया सुले जी बोलेंगी ।

रवि किशन जी ।